

Fourteenth Lok Sabha

Session : 8

Date : 14-08-2006

Participants : Singh Shri Mohan, Advani Shri Lal Krishna, Malhotra Prof. Vijay Kumar, Chatterjee Shri Somnath, Tripathy Shri Braja Kishore, Singh Shri Rajiv Ranjan, Mukherjee Shri Pranab, Azmi Shri Ilyas, Gavit Shri Manikrao Hodlya

an>

Title Regarding reported telephonic conversation by Minister of State in the Ministry of Home Affairs with a jail inmate in Bulandshahar jail, Uttar Pradesh.

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, you wanted to say something?

... (Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, श्री माणिकराव गावीत, जो गृह राज्य मंत्री हैं... (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : सर, मैंने विशेषाधिकार का नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, हम देखेंगे।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: We have received a copy of the Statement. Hon. Minister wants to make a statement.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Minister is ready to make a statement. I am going to permit him to make a Statement.

... (Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : गृह राज्य मंत्री की सुन्दर सिंह भाटी नाम के एक माफिया के साथ बातचीत और उस बातचीत में वहां आने जेल सुपरिन्टेन्डेन्ट का वहां से तबादला कराने, उन्हें वहां न आने देने और एक जमीन के मामले को हिन्दुस्तान के करोड़ों लोगों ने टी.वी. पर देखा है। गावीत जी यहां इस बारे में स्टेटमेंट देंगे। लेकिन यदि ये सब बातें ठीक नहीं हैं तो क्या वह उनके खिलाफ डिफेमेशन करेंगे? इसके अलावा उसमें जो टेलीफोन नम्बर्स दिये हुए हैं, क्या वे टेलीफोन नम्बर्स इनके हैं या नहीं। यह एक बहुत गम्भीर मामला है। किसी माफिया द्वारा जेल में मोबाइल टेलीफोन लेकर बैठा होना अपने आपमें एक बहुत बड़ा अपराध है और गृह राज्य मंत्री जी की उनसे बातचीत और भी बड़ी चीज है। इस बारे में वह स्टेटमेंट दें, उसके बाद हम इस बारे में आगे बात करेंगे।

MR. SPEAKER: He has offered to make a statement. Since he is making a Statement....

... (Interruptions)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, 1991 से मैं गृह राज्य मंत्री को निजी तौर पर जानता हूँ। इनकी शक्ल और बात करने से एक अच्छे और भले आदमी का चित्र सामने आता है। लेकिन जब से मैंने यह खबर सुनी है, मैं खुद बहुत चिंतित और व्यग्र हूँ। लेकिन एक पक्ष हम सब लोगों को ध्यान में रखना चाहिए कि आजकल राजनीति और राजनीतिककर्मियों को बदनाम और अपमानित करने का एक अभियान चलाया हुआ है। मैं चाहता हूँ कि सरकार इसकी जांच करे तथा जो सत्य है, वह उद्घाटित होना चाहिए। यदि मंत्री जी इसके जिम्मेदार हैं तो उन्हें दंडित किया जाना चाहिए और यदि वह जिम्मेदार नहीं हैं तो जिन लोगों ने इस तरह का अभियान चलाया हुआ है, उनके खिलाफ भी एक अभियान चलाना चाहिए, ताकि इस तरह से लोगों को अपमानित और बदनाम करने का जो काम है, यह काम अब इस देश में बंद होना चाहिए और यह सिलसिला आगे नहीं चलना चाहिए।

MR. SPEAKER: Shri Ilyas Azmi, a senior Member wants to say something on this issue.

... (Interruptions)

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आजकल मैं बीमार चल रहा हूँ। लेकिन कल मैंने इत्तेफाक से टी.वी. खोला और देखा कि जनता द्वारा आठ बार चुने हुए प्रतिनिधि, जो केन्द्र सरकार में गृह राज्य मंत्री हैं, उनके साथ जिस तरह का सलूक मीडिया ने किया है, मैं समझता हूँ कि कोई दरोगा एक छोटे क्रिमिनल के साथ उस तरह का सलूक नहीं करता है। मुझे यह सब देखकर इतना गुस्सा आ रहा था कि मैं टी.वी. तोड़ दूँ। जिस प्रतिनिधि को जनता ने आठ बार चुना है, इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया को यह राइट किसने दिया है। मीडिया को पुलिस का राइट किसने दिया है कि वह जनता के प्रतिनिधि को और भारत सरकार के मंत्री को पुलिस बनकर अपमानित करे ? इसका जवाब भारत सरकार को देना पड़ेगा। भारत सरकार इसका जवाब दे कि क्या पुलिस का राइट मीडिया को दे दिया गया है ?... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, करेंगे।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I only want to say that Media has its very important position in our set up and I am sure, they are also responsible. There may be occasions and I do not wish to make any comment on that. But we should not criticize the Media.

... (Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, सिर्फ मीडिया के उसके ऊपर ही दस मैम्बर्स को निकाल दिया गया और आज मीडिया के बारे में ही... (व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Sir, I am associating with him. I only want to say that the Government should also respond to this. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Let the time come. Hon. Minister is going to make a statement.

SHRI L.K. ADVANI (GANDHINAGAR): So far as this particular matter is concerned, it is only after the Minister has made the statement that one could say something. But basically while the role of Media is very important, in many countries of the world, the sting operations are not permitted; there are laws to regulate sting operations. It is only the Government and those whom the Government authorizes which can undertake sting operations.

In this particular case, according to the agency, it is said that this was not a sting operation. This is an official surveillance on the basis of which they are making it. All these things would have to be inquired into and should be taken into account. ... (Interruptions) My only submission to the Government is to examine the possibility of legislating an Act in respect of sting operations. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The hon. Minister has come forward to make a statement; let us hear him.

... (Interruptions)

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री माणिकराव होडल्या गावित) : जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मेरा संसदीय क्षेत्र नंदुरबार इस समय बाढ़ से पीड़ित क्षेत्र है, इस कारण मैं दिनांक 9 अगस्त, 2006 से संसदीय क्षेत्र के दौरे पर था तथा दिनांक 13 अगस्त, 2006 को ही दिल्ली लौटा। क्षेत्र में व्यस्तता के कारण मैं थकान महसूस कर रहा था तथा मेरी तबियत भी ठीक नहीं थी। मुझे शाम को टी.वी. चैनल के माध्यम से पता चला कि मेरी जिला बुलन्द शहर, उत्तर प्रदेश जेल में किसी सुन्दर सिंह भाटी नामक माफिया से टेलीफोन से बात हुई है जो कि टेप किया जा रहा था। उनसे मेरी अपने दामाद की जमीन के खरीद-फरोख्त की बाबत बात हुई है तथा उसने मुझे जेल के जेलर का तबादला रुकवाने का मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश से अनुरोध किया है। मैंने वार्ता के दौरान कोड, सीमित, रिफरेन्स तथा पोलाईट जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। आप मेरे संसद के पिछले लोक सभा की कार्यवाही से जांच करके देख लें कि क्या मैंने कभी इस तरह की भाषा का प्रयोग किया है ?

जैसा कि आप सभी माननीय सदस्य गण जानते हैं कि मैं पिछले आठ लोक सभाओं में निरन्तर चुनकर आ रहा हूँ तथा मेरी भाषा में मराठी का पुट साफ झलकता है। आप सभी माननीय सदस्य गण पिछले लम्बे समय से मेरी भाषा को सुन रहे हैं तथा आपने मेरी उस टेलिविजन के माध्यम से बोली गई उस भाषा को भी सुना होगा। यह फोन किस नम्बर से किया गया था ? यह फोन किसके नाम से है ? क्या इन सब बातों की जांच की गई है ? शायद यह सब सुनने के बाद आप स्वयं निर्णय कर लें।

मैं आदिवासी जाति से संबंध रखता हूँ तथा आदिवासी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूँ। मैंने अपने अब तक के जीवन में कभी कोई गैर-कानूनी कार्य नहीं किया है। ना तो मैं जिला बुलन्द शहर के बाबत जानता हूँ, ना ही अपने जीवन में भाटी नाम के माफिया से मिला हूँ। ना ही उसमें मेरी आवाज है। यदि ये सब टेप हो रहा है तो किसकी आवाज है और किस टेलीफोन से बात की जा रही है ? इसके अतिरिक्त मेरा यह भी मानना है कि क्या संबंधित टी.वी. चैनल को ये सब बातें दिखाने से पहले कम से कम मुझसे कुछ बातों की पुष्टि नहीं कर लेनी चाहिए IÉÉÒ [R10]?

मेरा यह भी मानना है कि इसकी पुष्टि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी से भी कर लेनी चाहिये। मैं इस बारे में पार्टी स्तर से अलग होकर कहना चाहता हूँ कि यदि मैं इस बारे में रस्ती भर भी कसूरवार हूँ तो हर सज़ा के लिये तैयार हूँ तथा किसी भी प्रकार की जांच के लिये तैयार हूँ। मैं इस सभा से वादा करता हूँ कि मैं इस मामले में रस्ती भर भी दोषी पाये जाने पर अपने राजनीतिक जीवन से सन्यास ले लूंगा।

अंत में मेरा आपसे अनुरोध है कि बिना किसी ठोस सबूत के बदनाम करने वाले चैनल के विरुद्ध भी कार्यवाही की जानी चाहिये क्योंकि इस चैनल में बिना किसी ठोस सबूत के मेरे विरुद्ध प्रचार करके मेरी अब तक की साफ, ईमानदार तथा एक भले इन्सान की छवि को धूमिल किया है। मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जिस बात की सच्चाई चैनल अपने स्तर पर ही दिखाने पहले 10 मिनट में करने में समर्थ है, फिर उसने यह सब क्यों किया? मैं तो लोक सभा की कमेटी से भी जांच कराने को तैयार हूँ। यह जांच जल्दी से जल्दी हो ताकि अधिवेशन पूरा होने से पहले कर ली जाये। मैं जांच पूरी होने तक किसी सरकारी संसदीय कार्य में भाग नहीं लूंगा। इसके अतिरिक्त इस संबंध में मेरी पार्टी जो भी फैसला लेगी मुझे मान्य है। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will call all the hon. Leaders.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: After the hon. Minister's Statement, I will call a meeting of all the Leaders.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down. From the Chair also I should appreciate hon. Minister's effort in saying that he will not participate in any official parliamentary work and that the Parliamentary Committee may inquire into it.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I think all sides will appreciate it.

... (Interruptions)

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अध्यक्ष जी, माननीय गृह राज्य मंत्री जी ने कहा है कि जब तक जांच पूरी नहीं होगी, वह सदन और समितियों में भाग नहीं लेंगे, इस बात पर सरकार को रैस्पॉन्ड करना चाहिये।

MR. SPEAKER: I would invite all the hon. Leaders to a meeting. Let us decide in that meeting.

... (Interruptions)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, the Leader of the House is present. Let him respond to it.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): I can assure you...
(Interruptions) As the concerned hon. Minister has clearly stated that he is ready to face...
(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है? आप कुछ समझते ही नहीं हैं। आप लोग बैठ जायें।।

...(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: As the hon. Minister himself has suggested that he is prepared to face any form of inquiry and as you have decided to call a meeting of all the Leaders and decide the mode of inquiry, I have no problem. From the Government side also, we can give order to conduct an inquiry but as you have decided to consult the Leaders of various Parties in the House, let us wait for that meeting which you are going to call.
